**इन्स्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के चिकित्सा अध्यापकों को नान प्रैक्टिसिंग भत्ता**

5183. श्री रामलाल राही : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के चिकित्सा अध्यापकों को भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा स्वीकृत नान प्रैक्टिसिंग भत्ते के रूप में वेतन का 50 प्रतिशत भी नहीं दिया जा रहा है और यह भत्ता उसी दर से दिया जाता है जो तीसरे वेतन आयोग के प्रतिवेदन से पहले प्रचलित था यद्यपि ये दरें लगभग सभी स्थानों पर बढ़ गई हैं और देश के बहुत से कालजों में नान-प्रैक्टिसिंग भत्ते के रूप में वेतन की 50 प्रतिशत राशि दी जा रही है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव ): बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है और इसका सम्बन्ध शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय से है । यह पता चला है कि वह मंत्रालय इस मामले पर विचार कर रहा है ।

**Shortage of Aluminium**

5184. SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether there is all round shortage of E.C. grade aluminium required by the State Electricity Boards for manufacturing ACSR/AAC conductors for their transmission and distribution programmes;

(b) if so, what steps the Government of India are taking to meet this shortage; and

(c) is it possible for the Government of India to import E.C. grade aluminium and making it available to the State Electricity Boards at the same price as the indigenous supplies and also by allowing subsidy at the rate of Rs. 3130|- M.T.?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI KARIA MUNDA): (a) Yes, Sir.

(b) Power cuts imposed on certain aluminium smelters, have resulted in decrease in production of aluminium. Supply of both electrical conductor grade and commercial grade aluminium has, therefore, been affected.

The matter of ensuring adequate power supply for aluminium production has been taken up with the State Government concerned. Arrangements have been made to meet the gap between demand and indigenous production by imports.

(c) No, Sir.

**Seniority Lists of Computors and Investigators and Appointment as Assistants**

5185. SHRI BALWANT SINGH RAMOOWALLA: Will the Minister of PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR be pleased to state:

(a) whether the quota-wise seniority lists of Computors and Investigators in the Ministry of Labour have been finalised and issued as assured in reply given to Unstarred Question No. 8368 on the 27th April, 1978 and if so, a copy each of these lists may please be placed on the Table; and

(b) what steps are contemplated to provide openings for Computors/ Investigators to the Posts of Assistants and Section Officers just as LDC's and UDC's are provided opportunities to become Computors and Investigators in addition to enjoying promotion facilities in their own line, so that justice is done to

Computors and Investigators by providing them also with a double avenue of promotion?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): (a) The lists have not yet been finalised.

(b) The Recruitment Rules for the posts of Assistants and Section Officers which have been framed by the Department of Personnel, do not provide for such appointments.

**Danger of out-break of Cholera in Delhi**

5186. SHRI JANARDANA POOJARY:
SHRI SHYAM SUNDER GUPTA:
SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:
SHRI G. M. BANATWALLA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in addition to malaria, capital is facing the danger of the outbreak of cholera epidemic; and

(b) if so, the remedial measures taken by Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

**आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली**

5187. **श्री यमुना प्रसाद शास्त्री :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली को पुनर्जीवित करने के लिये सरकार का विचार प्रत्येक राज्य में कम से कम एक आयुर्वेदिक अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने का है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या मध्य प्रदेश में चित्रकूट और अमरकंटक में आयुर्वेदिक वनस्पतियों की उपलब्धता और बाहुल्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1978-79 में इनमें से किसी स्थान पर आयुर्वेदिक अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की जायेगी ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव ): (क) आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति देश में पहले ही लोकप्रिय हो रही है । भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद् ने लगभग 20 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में 100 अनुसंधान संस्थाओं/यूनिटों तथा इन्क्वारियों की स्थापना की है । अनुसंधान कार्यक्रम को तेज करने के अभिप्राय से भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद् को पुनर्गठित कर इसे 4 केन्द्रीय अनुसंधान परिषदों में परिणत करने का फैसला किया गया है । ये परिषदें (1) आयुर्वेद और सिद्ध, (2) यूनानी चिकित्सा पद्धति, (3) होम्योपैथी और (4) योग और प्राकृतिक चिकित्सा की होंगी । ये नई परिषदें पहले ही पंजीबद्ध सोसाइटियों के रूप में पंजीबद्ध की जा चुकी हैं । योग और सिद्ध की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद् की वैज्ञानिक सलाहकार समिति ने हाल ही में विभिन्न कार्यक्रमों का पुनरावलोकन किया है और दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और जम्मू में नये अनुसंधान संस्थान/केन्द्र खोलने की सिफारिश की है ।